

आइडियास्टी न्यूज़

वर्ष 05 | अंक 33

मंगलवार 3 फरवरी, 2026

अमरीका ने युद्ध शुरू किया तो ईट का जवाब पत्थर से देंगे, खामेनेई की ट्रंप को चेतावनी

दिल्ली। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ 'समझौता होने की' उम्मीद जताई है, जबकि ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने चेतावनी दी है कि अगर अमरीका कोई भी टकराव शुरू करता है तो वह क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है। ट्रंप ने फ्लोरिडा के पाम बीच पर अपने मार-आ-लागो आवास से कहा कि अमरीका ने पश्चिमी एशिया में भले ही अपने युद्ध पोत तैनात किए हैं लेकिन वह इस समस्या का कूटनीतिक हल चाहता है। ट्रंप ने कहा, 'हमने वहाँ दुनिया के सबसे बड़े सबसे ताकतवर युद्ध पोत तैनात किए हैं। उम्मीद है कि आने वाले दो दिनों में हम कोई समझौता कर लेंगे। अगर समझौता नहीं होता है तो हमें पता चल जाएगा कि वह सही थे या नहीं।'



ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया जब खामेनेई ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी कई बयानों में अमरीका को सैन्य कार्रवाई करने के खिलाफ चेतावनी दी थी। खामेनेई ने पोस्ट

किया, 'अमरीका को पता होना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं तो इस बार एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। अमरीकी कभी-कभी युद्ध की बात करते हैं और कहते हैं कि वे युद्ध पोतों और लड़कू

विमानों के साथ आएंगे। यह कोई नयी बात नहीं है। ईरान ऐसी बातों से डरता नहीं। उन्हें ईरानियों को ऐसी चीजों से डराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। 'खामेनेई ने कहा कि ईरान संघर्ष नहीं

चाहता लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो ईट का जवाब पत्थर से देगा। उन्होंने अमरीका पर संसाधनों के लालच में ईरान पर दबाव बनाने का आरोप लगाया। खामेनेई ने कहा, 'हम लड़ाई शुरू करने वालों में नहीं हैं। हम किसी पर जुल्म नहीं करना चाहते। हम किसी देश पर हमला नहीं करना चाहते, लेकिन अगर कोई हम पर हमला करता है या नुकसान पहुंचाता है तो उसे ईरान से करारा जवाब मिलेगा।' उन्होंने ईरान में अमरीका के हस्तक्षेप के इतिहास की आलोचना करते हुए कहा कि ईरान के कई आकर्षण केन्द्र हैं, जिनमें उसका तेल, उसके खनिज और उसकी भौगोलिक स्थिति दूसरे देशों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा है। अमरीका इस देश पर वैसा ही कब्जा चाहता है, जैसा पहले था। अमरीका 30 साल से ज्यादा इतने समझदार हैं।

गरियाबंद के दुत्काइयां गांव में हिंसा के बाद तनाव, पुलिस बल तैनात, हालात नियंत्रण में

गरियाबंद। छतोसगढ़ में गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुत्काइयां गांव में रविवार रात हुई हिंसक घटनाओं के बाद गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद गांव के भीतर दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीण फिलहाल कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं। अंदरूनी इलाकों में रहने वाले लोग भयभीत बताए जा रहे हैं। गांव के कुछ घरों में आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं, वहीं एक कार के जलने की भी सूचना है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक घर में आग लगने की वजह से रसोई गैस सिलेंडर फटने की आशंका जारी जा रही है, जिससे पूरा मकान जलकर खाक हो गया। हालांकि प्रशासन की ओर से इस



संबंध में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। बताया जा रहा है कि गांव में मौजूद पुलिस बल को देखकर लोग खुलकर बयान देने से हिचक रहे हैं। हालात को देखते हुए एहतियातन कुछ मुस्लिम परिवारों को कड़ी पुलिस सुरक्षा में गांव से सुरक्षित बाहर

निकाला गया है। फिलहाल पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और शांति व्यवस्था बहाल रखने के लिए लगातार गश्त की जा रही है। प्रशासन ने आग नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सहयोग बनाए रखने की अपील की है।

मोकामा के विधायक अनंत सिंह को कोर्ट से राहत

आइडियास्टी संचाददाता



पटना: राजधानी पटना से जुड़ी एक बड़ी राजनीतिक खबर सामने आई है। मोकामा से निर्वाचित बाहुबली विधायक अनंत सिंह को सिविल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट की अनुमति के बाद अब वह आज बिहार विधानसभा में विधायक पद की शपथ ले सकते हैं। विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो चुका है और इसी क्रम में अनंत सिंह के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान एक हत्या कांड के मामले में अनंत सिंह फिलहाल बेर जेल में बंद है। चुनाव जीतने के बाबजूद अब तक वह विधायक पद की शपथ नहीं ले सके थे। इसको लेकर उनकी ओर से सिविल कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें पुलिस अभिरक्षा में शपथ लेने की अनुमति दे दी है। जानकारी के मुताबिक, अनंत सिंह को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बेर जेल से विधानसभा लाया जाएगा, जहां वह विधायक के रूप में शपथ लेंगे। दरअसल, विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अनंत सिंह

और जन सुराज प्रत्याशी के काफिले आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी, जिसमें दुलारचंद यादव की मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने अनंत सिंह के खिलाफ शपथ लेना उनका सर्वेधानिक अधिकार और जिम्मेदारी है। कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए उन्हें शपथ ग्रहण की अनुमति दे दी। गौतमलब है कि यह पहली बार नहीं है जब अनंत सिंह जेल में रहते हुए विधायक बने हैं। इससे पहले वर्ष 2016 में भी वह जेल में रहते हुए चुनाव जीते थे और पुलिस अभिरक्षा में विधानसभा पहुंचकर शपथ ली थी। एक बार फिर वही तब्दील दोहराई जा रही है। कोर्ट के आदेश के बाद उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है, जबकि पूरे घटनाक्रम पर राजनीतिक हल्कों की ओर से कोर्ट में दलील दी गई थी कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में

शपथ लेना उनका सर्वेधानिक अधिकार और जिम्मेदारी है। कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए उन्हें शपथ ग्रहण की अनुमति दे दी। गौतमलब है कि यह पहली बार नहीं है जब अनंत सिंह जेल में रहते हुए विधायक बने हैं। इससे वह नियंत्रण नहीं है जो वह जेल में रहते हुए चुनाव जीते थे और पुलिस अभिरक्षा में विधानसभा पहुंचकर शपथ ली थी। एक बार फिर वही तब्दील दोहराई जा रही है। कोर्ट के आदेश के बाद उनके समर्थकों में खुशी का माहौल है, जबकि पूरे घटनाक्रम पर राजनीतिक हल्कों की ओर से कोर्ट में दलील दी गई थी कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में

डोकलाम के सब से डरी सरकार राहुल गांधी को संसद में नहीं बोलने देती : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार डोकलाम में जुड़े सत्य के खुलासे से बहुत डरी हुई है और अब वह लोकसभा में विषय के नेता राहुल गांधी को नियम और प्रक्रियाओं का हवाला देकर रोक रही है। कांग्रेस महासचिव के, सी. वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि यह सरकार अपनी अक्षमता के सत्य के सामने आने से इतनी डरी हुई है कि इसने विषय के नेता राहुल गांधी को लोकसभा में बोलने से रोकने के लिए अपने सबसे वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों का समूह बनाकर तैनात कर दिया है। के सी वेणुगोपाल ने कहा, 'सरकार ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे की पुस्तक का प्रकाशन रोकने के लिए जमीन-आसमान एक कर दिया है और अब जो अंश सामने आ रहे हैं वे उनकी तथाकथित राष्ट्रवादी प्रतिबद्धताओं को उजागर करते हैं। अब वे विषय के नेता को धेर रहे हैं और चुप करा रहे हैं।' उन्होंने कहा 'संसद में नियम और प्रक्रियाओं का हवाला देकर उनकी गलत व्याख्या की जा रही है। सदन तथा देश की जनता को चीन के खिलाफ संघर्ष में सरकार की हिमालयी भूलों के बारे में जानने से विचित्र किया जा रहा है।' वेणुगोपाल ने लिखा 'यह 21वीं सदी के फासीवाद का मामला है, जहां पहले जनता में असहमति को दबाया जाता है और फिर विरोधियों को चुप करने के लिए नियमों का दुरुपयोग किया जाता है।'



राष्ट्रीय विद्यालय कटाटे प्रतियोगिता में बिहार का शानदार प्रदर्शन : एक स्वर्ण सहित चार पदक किए अपने नाम



किलोग्राम, युवराज आदर्श ने 54 किलोग्राम और सिद्धार्थ वर्मा ने 82 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक हासिल किए। महानिदेशक ने बताया कि प्रतियोगिता में बिहार के खिलाड़ियों ने विभिन्न भारवर्ग में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सौम्या शाश्वत ने 64 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर बिहार को शीर्ष सम्मान दिलाया। वहीं अनन्या सिंह ने 68

कोच सह दल प्रबंधक रामसिंह यादव के मार्गदर्शन में टीम ने यह सफलता प्राप्त की। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे ही बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जारी रखी है।

आलमगंज लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा, चार अभियुक्त गिरफ्तार, चाकू और मोबाइल बरामद

आइडियासिटी संवाददाता

A group of men are standing in a room filled with sacks of grain. One man in a black jacket is in the foreground, while others are standing behind him. The room has a high ceiling and is filled with sacks of grain.

के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने तकनीकी और मानवीय अनुसंधान के आधार पर तेजी से कार्रवाई की। जांच के क्रम में पुलिस ने कांड में सॉलिस चारों अभियुक्तों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से बारात में इस्तेमाल किया गया चाकू और छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। इस संबंध में परिचय कुमार नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी), पटना ने बताया कि मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा।

पीएम किसान योजना के फार्मर रजिस्ट्रेशन व ई- केवाईसी कैंपों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

आइडियास्टी संवाददाता

A group of approximately ten men are gathered outdoors in front of a building with orange walls and a brown door. The men are dressed in various styles of Indian attire, including turbans, caps, and shawls. One man in the foreground, wearing a grey blazer and a striped shirt, is holding a white rectangular object, likely a document or a small book, and appears to be showing it to the others. The group is looking towards the right side of the frame.

रजिस्ट्रेशन या ई-केवाइसी पूरा नहीं है, उनकी अगली किस्त रुक सकती है। उहोंने किसानों से अपील की कि वे आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर एवं भूमि से संबंधित कागजात के साथ नजदीकी कैंपं या सीएससी केंद्र पर पहुंचकर शीघ्र पंजीकरण कराएं। एसडीएम ने किसानों को अफवाहों से बचने की सलाह देते हुए कहा कि केवल सरकारी स्तर पर आयोजित अधिकृत कैंपों के माध्यम से ही फार्मर रजिस्ट्रेशन कराएं। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों, कृषि विभाग के कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को जागरूक कर अधिक से अधिक किसानों को कैंपों तक लाने में सहयोग करें। उहोंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रधानमंत्री किसान सम्पादन निधि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक समय पर पहुंचे। इसके लिए अनुमंडल स्तर पर लगातार निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है, ताकि फार्मर रजिस्ट्रेशन और ई-केवाइसी का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया ज सके।

रघुनंदनपुर हत्याकांड का द्युलासा, पति ने ही पत्नी को मारी गोली

आइडियासिटी संवाददाता

A group of approximately 20 people, mostly women and children, are gathered outside a simple concrete building. Some individuals are seated on a large yellow cloth spread on the ground, while others stand around them. The scene suggests a community gathering or a social event.

और इसी कारण पिछले कुछ वर्षों से वह अपनी जमीन बेचता आ रहा था। बताया जाता है कि नशे की लत के चलते उसकी पहली पत्नी की भी मौत हो चुकी थी, जिसके बाद उसने दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी सुमन कुमारी से उसके चार नाबालिग बच्चे दो पुत्र और दो पुत्रियाँ हैं। पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। आरोपी लगातार पत्नी से पैसे की मांग करता था, जिससे परेशान होकर महिला बाहर जाकर मजदूरी करती थी। करीब डेढ़ माह पूर्व ही वह घर लौटी थी। आरोप है कि पति ने सुनियोजित साजिश के तहत पत्नी को बहन के घर जाने के लिए साथ ले गया थी। मनमान

गाढ़ी में गोली मारकर उसकी हत्या की दी। इस दौरान उसकी छोटी पुत्री भी साथ थी, जो पूरी घटना की चश्मदीद गवाह है। हत्या के बाद आरोपी ने बच्चों के धमकी दी थी कि सच्चाई बताने पर उन्हें भी जान से मार दिया जाएगा, जिसके डर से बच्ची शुरू में कुछ नहीं बोल पा रही थी।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि मृतका के पति को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है एफएसएल टीम की जांच रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बावजूद मामले का विधिसम्मत निष्पादन किया जायगा।

अंडरस्टैंडिंग इंडिया स्टडी ट्रू के तहत एनडीसी कोर्स 66 का उपेन्द्र महारथी संस्थान भ्रमण

बिहार की शिल्प विरासत से हुए स्नबर

आइडियासिटी संवाददाता



लोक शिल्प धरोहर से जुड़े दुर्लभ नमूने, उत्कृष्ट कलाकृतियाँ, पारपंक्रिक डिजाइन और शिल्प परंपराओं का विस्तृत प्रदर्शन किया गया है, जिसने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को विशेष रूप से प्रभावित किया। मूर्जियम भ्रमण के बाद प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बिहार की शिल्प परंपराओं की विविधता, ऐतिहासिक महत्व और कलात्मक उत्कृष्टता की सराहना की। उन्होंने संस्थान के प्रयासों को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस प्रकार के स्टडी ट्रूर भारत की सांस्कृतिक गहराई और क्षेत्रीय शिल्प विरासत के समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कृषि बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतारी, किसानों की आय और टिकाऊ खेती को मिलेगा नया संबल

आइडियासिटी संवाददाता

पटना: केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बिहार सरकार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। कृषि बजट में की गई उल्लेखनीय वृद्धि से कृषि को आधुनिक, टिकाऊ और अधिक लाभकारी बनाने में मदद मिलेगी तथा किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। कृषि मंत्री ने बताया कि कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के उद्देश्य से कृषि विभाग का कुल बजट बढ़ाकर 1,32,561 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला किसानों की आय में वृद्धि, उत्पादन लागत में कमी और कृषि को दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। इस बजट से कृषि शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा और अनुसंधान, विशेष रूप से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सहित संबंधित संस्थानों के लिए 9,967 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे वैज्ञानिक अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा, जिसका सीधा लाभ किसानों तक पहुंचेगा। कृषि मंत्री ने यह भी

कहा कि लिए 1,70,944 करोड़ रुपये की उत्तरक सम्बिली का प्रावधान किया गया है। इससे खेती की लागत घटेगी और किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में कृषि विज्ञान केंद्रों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। कृषि विज्ञान केंद्र किसानों तक आधुनिक और नवीन कृषि तकनीकों को पहुंचाने का एक मजबूत माध्यम हैं। इनके जरिए नई तकनीकों का प्रदर्शन, प्रशिक्षण और प्रसार किया जाएगा, जिससे किसान वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन और उत्पादकता बढ़ा सकेंगे। कृषि मंत्री के अनुसार कृषि विज्ञान केंद्रों के अंतर्गत किसानों और विस्तार कर्मियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्नत बीज और रोपण सामग्री का वितरण, मृदा और जल नमूनों की जांच तथा परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे खेती अधिक वैज्ञानिक और टिकाऊ बन सकेगी। उन्होंने कहा कि सतत कृषि विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अभिनव प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने का भी प्रावधान किया गया है। इसके तहत कृषि यंत्रों, प्रसंस्करण तकनीकों और मूल्य संवर्धन से जुड़े अनुसंधान और विकास को

आमदानी बढ़े। कृषि मंत्री ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में भी अनुसंधान को प्राथमिकता दी गई है। भूमिका की गुणवत्ता में गिरावट और परिस्थितिकी तंत्रज्ञान पर बढ़ते दबाव जैसे विषयों पर विशेष शोध किया जाएगा, ताकि कृषि विकास की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। खाद्य और पोषण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फसल विज्ञान के क्षेत्र में अधिक उत्पादन देने वाली, कीट और रोग सहनशील तथा जलवायु-अनुकूल फसलें किस्मों और संकर किस्मों के विकास पर भी विशेष जोर दिया गया है। राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से कम लागत और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों के विकास के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा, प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान को मजबूत करने के लिए देश के कृषि विश्वविद्यालयों को सहायता दी जाएगी। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों को भी क्षेत्रीय कृषि जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए एसशक्त किया जाएगा, जिससे किसानों को दीर्घकालिक लाभ मिल सके।

12 फरवरी भारत बंद को सफल बनाने को लेकर तेघड़ा में संयुक्त संगठनों की बैठक

आइडियासिटी संवाददाता

A photograph showing a group of approximately 20-30 people, predominantly men, seated in rows of yellow plastic chairs under a clear blue sky. The individuals are dressed in a mix of traditional Indian attire like dhotis and shawls, and more modern clothing like shirts and trousers. They appear to be attending a formal gathering or a public meeting. In the background, there are simple buildings and some greenery.

बिहार की अर्थव्यवस्था की टीड़ बना कृषि क्षेत्र

चतुर्थ कृषि रोडमैप से किसानों की आय सुधारा को निल एह नया बल

आइडियासिटी संवाददाता



पटना: बिहार विधानसभा में आज प्रस्तुत अर्थक सर्वेक्षण पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार सरकार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र राज्य की अधिकांश ग्रामीण आबादी को आजीविका प्रदान करता है और सकल राज्य मूल्यवर्धन में लगभग एक-वौथाइ का योगदान देता है। कृषि मंत्री ने कहा कि अवसंरचनात्मक चुनौतियों और कृषि-जलवायु से जुड़े जोखिमों के बावजूद बिहार के कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति दर्ज की गई है। सतत सार्वजनिक निवेश और दूदर्दशी नीतिगत सुधारों के चलते सरकार की योजनाएं जमीन पर सकारात्मक परिणाम दे रही हैं, जिसकी पुष्टि अर्थक सर्वेक्षण के आंकड़ों से होती है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लागू चतुर्थ कृषि रोडमैप 2023-28 का मुख्य उद्देश्य किसानों को आय सुधार प्रदान करना, उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना तथा कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाना है। इस रोडमैप के तहत फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन, डेयरी, मत्स्यकी और अन्य संबद्ध क्षेत्रों

को राज्य योजनाओं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के प्रभावी समर्थन से भूलूल किया जा रहा है। कृषि मंत्री के अनुसार गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन और वितरण, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सिंचाई क्षमता का विस्तार, कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन के माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग और बिहार कृषि निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत निजी निवेश को बढ़ावा देने जैसे कदमों से कृषि की उत्पादक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। समेकित बागवानी विकास मिशन और फसल आधारित योजनाओं के चलते बागवानी एक मजबूत और उभरते हुए उप-क्षेत्र के रूप में स्थापित हुई है। अर्थक सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच कृषि विद्युत

सब्सिडी में 99.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी अवधि में किसान क्रोडिट कार्ड धारकों की संख्या में 16.3 प्रतिशत की बढ़ोतारी हुई है और कृषि ऋण वितरण बढ़कर 9,399.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वर्ष 2024-25 में सिंचाई क्षेत्र में 2,729.83 करोड़ रुपये का निवेश किया गया, जिससे खेती की लागत में कमी और उत्पादन में स्थिरता सुनिश्चित हुई है। कृषि मंत्री ने विश्वास जताया कि आर्थिक सर्वेक्षण में सामने आए ये सकारात्मक संकेत राज्य सरकार की नीतियों को सफलता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि इन समग्र प्रयासों से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों का सुदृढ़ीकरण होगा और बिहार के किसानों को आय, आजीविका और जीवन स्तर में लगातार सुधार सुनिश्चित किया जाएगा।

यातायात में लापरवाही पड़ी भारी, पटना में दरोगा पंकज कुमार तत्काल प्रभाव से निलंबित

आइडियासिटी संवाददाता

पटना: राजधानी पटना में यातायात नियमों के उल्लंघन और दूर्घटी में लापरवाही बरतने के अरोप में स०अ०नि० पंकज कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस उपाधीकरण यातायात, तृतीय की रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिसके बाद विभागीय जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मामला 17 जनवरी 2026 का है, जब एम्स गोलंबर से नौबतपुर के बीच अवैध रूप से बालू लदे टकों के खड़े होने और गलत रूप से भारी वाहनों के प्रवेश की शिकायत मिली थी। जांच में सामने आया कि संबंधित पदाधिकारी द्वारा वरीय अधिकारियों के आदेशों का पालन नहीं किया गया। इसके चलते एन-एच-139 पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ गया और शहरी यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। जांच रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण यातायात जाम की स्थिति बनी रही, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए वरीय अधिकारियों ने स०अ०नि० पंकज कुमार को निलंबित करने का निर्णय लिया। पुलिस प्रशासन का कहना है कि यातायात व्यवस्था को सुचारू पदाधिकारी के खिलाफ आगे की कड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है।



सतत और लाभकारी कृषि को लेकर बड़ा मंथन

फसल विविधीकरण से किसानों की आय बढ़ाने पर सदकार का जोर

आइडियासिटी संवाददाता

पटना: बिहार में कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पुराना सचिवालय स्थित सभा कक्ष में आज सतत एवं लाभकारी कृषि विकास को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने की। बैठक में किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। इससे न केवल किसानों को लाभ होगा, बल्कि विदेशी मुद्रा की बचत भी सुनिश्चित की जा सकेगी। खासतौर पर दलहन और तिलहन के क्षेत्र विस्तार पर जोर

दिया गया, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो। बैठक में टमाटर उत्पादन को बढ़ावा देने, बिहार में ग्रीन एप्पल की खेती को प्रोत्साहित करने तथा बादाम और ब्लूबेरी जैसी अधिक मूल्य वाली फसलों की खेती शुरू करने के निर्देश दिए गए। धन की खेती में बासमती के साथ-साथ संकर धन को बढ़ावा देने, अरहर और मटर की खेती के विस्तार तथा बेगूसराय जिले में लक्ष्य निर्धारित कर सोयाबीन की खेती को प्रोत्साहित करने पर भी विशेष बल दिया गया। इसके अलावा डैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, शहजन और हरा चना जैसी फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर सहमति बनी। पटना और आसपास के जिलों में हरा चना उत्पादन के लिए

बेगूसराय-पटना-नवादा

एक नये कल के लए एक नई आवाज

अगमकुंआ डकैती कांड का खुलासा,

मास्टरमाइंड समेत दो अभियुक्त गिरफ्तार

आइडियासिटी संवाददाता

पटना: राजधानी पटना के अगमकुंआ थाना क्षेत्र में हुई डकैती की घटना का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सफल उद्देशन कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने डकैती कांड के मास्टरमाइंड सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार 30 जनवरी 2026 की रात अगमकुंआ थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी में डकैती की घटना हुई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया और मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान गठित टीम ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी पूटेज के अवलोकन और मानवीय अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए डकैती कांड का सफल खुलासा किया। इस क्रम में डकैती कांड के मास्टरमाइंड शक्ति कुमार उर्फ शक्ति सिंह को घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन के चालक के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त शक्ति कुमार का पूर्व से गंभीर आपराधिक इतिहास भी बताया जा रहा है।



पुलिस ने इस मामले में डकैती में प्रयुक्त बोलेरो वाहन की भी बरामद कर लिया है। वहाँ, घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में परिचय कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक पूर्वी, पटना ने प्रेस वार्ता में बताया कि मामले में साक्षों के आधार पर गिरफ्तारी की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पटना पुलिस अपराध नियंत्रण को लेकर पूरी तरह सतर्क है और डकैती के अधिकारी अभियुक्त शक्ति कुमार का पूर्व से गंभीर आपराधिक इतिहास भी बताया जा रहा है।

तेघड़ा में शांतिपूर्ण माहौल में थुर्क हुई इंटर जीव विज्ञान, फिलासफी व अर्थशास्त्र की परीक्षा से

इंटरमीडिएट की प्रथम दिन की परीक्षा में 2062 छात्राएं में 15 छात्राएं अनुपस्थिति रही

आइडियासिटी संवाददाता

तेघड़ा(बेगूसराय) : बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा के तहत सोमवार को जीव विज्ञान विभाग की परीक्षा से परीक्षा का शुभारंभ हुआ। कुल 2062 छात्र में से प्रथम दिन 15 छात्राएं अनुपस्थित रही। आरक्षी 427 जीव विज्ञान के छात्र में एक छात्राएं अनुपस्थित रही। द्वितीय छात्री में 24 छात्राएं उपस्थिति रही। पीएम श्री राष्ट्रीय उच्च विद्यालय में प्रथम पाली में जीव विज्ञान के 339 छात्राएं में चार छात्राएं अनुपस्थित रही। इनमें से 15 छात्राएं अनुपस्थित रही। आरक्षी 427 जीव विज्ञान के छात्राएं में एक छात्राएं अनुपस्थित रही। इनमें से 15 छात्राएं अनुपस्थित रही। आरक्षी 427 जीव विज्ञान के 339 छात्राएं में एक छात्राएं अनुपस्थित रही। इनमें से 15 छात्राएं अनुपस्थित रही। आरक्षी 427 जीव विज्ञान के 339 छात्राएं में एक छात्राएं